पुुना International School
Shree Swaminarayan Gurukul, Zundal

PERIODIC ASSIGNMENT- 1	
GRADE – 8	SUBJECT - HINDI
SYLLABUS - अपठित गदयांश व्याकरण विभाग भारत की खोज पाठ- 1,2	लेखन विभाग वसंत पाठ- 1, 2, 3, 4

अपठित विभाग

➢ अपठित गदयांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

1) शरीर को स्वस्थ या निरोग रखने में व्यायाम का कितना महत्त्व है, इस पर कुछ कहने की आवश्यकता नहीं है। आज की भाग-दौड़ से भरी जिंदगी ने मनुष्य को इतना व्यस्त कर दिया है कि वह यह भी भूल गया है कि इस सारी भाग-दौड़ का वह तभी तक हिस्सेदार है जब तक कि उसका शरीर भी स्वस्थ है। जो व्यक्ति अपने शरीर की उपेक्षा करता है वह अपने लिए रोग, बुढ़ापे तथा मृत्यु का दरवाजा खोलता है। वैसे तो अच्छे स्वास्थ्य के लिए संतुलित भोजन, स्वच्छ जल तथा शुद्ध वायु संयम तथा नियमित जीवन सभी कुछ आवश्यक है किंतु इन सबमें व्यायाम करने वाले व्यक्ति में कुछ ऐसी अद्भुत शक्ति आ जाती है कि अपने सारे शरीर पर उसका अधिकार हो जाता है।

प्रश्न. व्यायाम का क्या महत्त्व है?

उत्तर. शरीर को निरोगी रखने में व्यायाम का बहुत महत्त्व है।

प्रश्न. आज व्यक्ति क्या भूल गया है?

उत्तर. आज व्यक्ति यह भूल गया है कि वह भाग-दौड़ तभी कर सकता है जब तक वह शारीरिक रूप से स्वस्थ है।

प्रश्न. शरीर की उपेक्षा करने वाला व्यक्ति क्या नुकसान करता है ?

उत्तर. शरीर की उपेक्षा करने वाला व्यक्ति अपने लिए रोग, बुढ़ापे तथा मृत्यु का दरवाजा खोलता है।

प्रश्न. अच्छे स्वास्थ्य के लिए क्या-क्या आवश्यक हैं?

उत्तर. अच्छे स्वास्थ्य के लिए संतुलित भोजन, स्वच्छ जल, शुद्ध वायु, संयमित एवं नियमित जीवन आवश्यक है।

प्रश्न- इस गदयांश का उचित शीर्षक लिखिए ।

उत्तर- व्यायाम का महत्व

2) आलस्य जीवन को अभिशापमय बना देता है। आलसी व्यक्ति परावलंबी होता है। वह कभी पराधीनता से मुक्त नहीं हो सकता। हमारा देश सदियों तक पराधीन रहा। इसका आधारभूत कारण भारतीय जीवन में व्याप्त आलस्य एवं हीन भावना थी। जैसे हमने परिश्रम के महत्त्व को समझा, वैसे ही हमारी हीनता दूर होती गई और हममें आत्मविश्वास बढ़ता गया, जिसका परिणाम यह हुआ कि हमने एक दिन पराधीनता की केंचुली उतारकर फेंक दी। परिश्रम ही छोटे-से बड़े बनने का साधन है।यदि छात्र परिश्रम न करे तो परीक्षा में कैसे सफल होंगे। मजदूर भी मेहनत का पसीना बहाकर सड़कों, भवनों, बाँधों, मशीनों तथा संसार के लिए उपयोगी वस्तुओं का निर्माण करते हैं। मूर्तिकार, चित्रकार, कवि, लेखक सब परिश्रम द्वारा ही अपनी रचनाओं से संसार को लाभ पहुँचाते हैं। कालिदास, तुलसीदास, शेक्सपियर, टैगोर आदि परिश्रम के बल पर ही अपनी रचनाओं के रूप में अजर-अमर हैं।

प्रश्नः1. उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

उत्तरः गद्यांश का शीर्षक है-परिश्रम का महत्त्व

प्रश्नः2. आलस्य जीवन को किस तरह अभिशापमय बना देता है ?

उत्तरः आलस्य के कारण व्यक्ति अपना काम भी नहीं करता है। वह परावलंबी बन जाता है। ऐसा व्यक्ति बाद में पराधीन हो जाता है जिससे उसका व्यक्तित्व अभिशापमय बन जाता है।

प्रश्नः3. जीवन में परिश्रम का क्या महत्त्व है? उदाहरण सहित समझाइए।

उत्तरः परिश्रम का महत्व समझने से व्यक्ति के मन में छिपी हीनता दूर होती है।इससे आत्मविश्वास बढ़ता है। इसका उदाहरण है-विद्यार्थी जीवन। जो छात्र परिश्रम करता है, वह अवश्य सफल होता है।

प्रश्नः4. धरती और जीवन को सुंदर बनाने में परिश्रम का योगदान स्पष्ट कीजिए।

उत्तरः परिश्रम करके मज़दूर सड़क, भवन, बाँध आदि बनाकर धरती को सुंदर बनाते हैं। इसी प्रकार मूर्तिकार, कवि, लेखक, चित्रकार आदि अपने अथक परिश्रम द्वारा ऐसी कृतियों की रचना करते हैं, जिनसे मानव जीवन सुंदर बनता है।

प्रश्नः5 " धरती " शब्द के दो समान शब्द लिखिए|

उत्तर: " भूमि " और " पृथ्वी" |

3) ऐसा है आवेश देश में जिसका पार नहीं।
देखा माता का ऐसा रक्तिम श्रृंगार नहीं।
कंठ-कंठ में गान उमड़ते माँ के वंदन के।
कंठ-कंठ में गान उमड़ते माँ के अर्चन के।
शीश-शीश में भाव उमड़ते माँ पर अर्पण के।
प्राण-प्राण में भाव उमड़ते शोणित तर्पण के।
जीवन की धारा में देखी ऐसी धार नहीं।
सत्य अहिंसा का व्रत अपना कोई पाप नहीं।

विश्व मैत्री का व्रत भी कोई अभिशाप नहीं।
यही सत्य है सदा असत की टिकती चाप नहीं।
सावधान हिंसक! प्रतिहिंसा की कोई माप नहीं।
कोई भी प्रस्ताव पराजय का स्वीकार नहीं।
ऐसा है आवेश देश में जिसका पार नहीं।

प्रश्न

(क) उपरोक्त पद्यांश में किसके आवेश' का उल्लेख हुआ है?

(i) माता के (ii) देश के
(iii) शत्रु के (iv) इनमें से कोई नहीं

(ख) कवि के मतानुसार असत्य है

(i) स्थायी (ii) व्रत
(iii) अभिशाप (iv) अस्थायी

(ग) 'रक्ति श्रृंगार' का अर्थ है

(i) वीर सपूतों का रक्त बलिदान करना
(ii) रक्त बहाना
(iii) शत्रु का खून बहाना ।
(iv) उपरोक्त में से कोई नहीं

(घ) 'शोणित तर्पण' का अर्थ है

(i) खून बहाकर आक्रमणकारी के पितरों का श्राद्ध करना
(ii) शत्रु का शोषण करना
(iii) दुखी होकर श्राद्ध करना
(iv) वीर सपूतों का रक्त बलिदान करना

(ङ) पद्यांश में 'माता' का प्रतीक है–

(i) देवी की (ii) विश्वमैत्री की
(iii) सत्य-अहिंसा की (iv) राष्ट्र (देश) की

उत्तर-

(क) (ii)
(ख) (i)
(ग) (i)
(घ) (ii)
(ङ) (iv)

लेखन विभाग

➢ मेरा प्रिय खेल पर निबंध

- खेल कई प्रकार के होते हैं । कक्ष के भीतर खेले जाने वाले खैलों को इनडोर गेम्स कहा जाता है, जबकि मैदान पर खेले जाने वाले खेल आउटडोर गेम्स कहलाते हैं । अलग-अलग प्रकार के खेल व्यायाम के महत्त्वपूर्ण अंग है । अत: अपनी रुचि एवं शारीरिक क्षमता केअनुकूल ही खेलों का चयन करना चाहिए । खेलकूद आज विभिन्न राष्ट्रों के मध्य सांस्कृतिक मेल-जोल बढ़ाने का एक उत्तम माध्यम बन गया है ।
- मेरा प्रिय खेल क्रिकेट है । आधुनिक युग मैं इस खेल को अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व प्राप्त है । भारत में यह खेल सर्वाधिक आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है । इस खेल से लोगों को अद्‌भुत लगाव है । क्या बच्चे, क्या बूढ़े, क्या नवयुवक, सभी इसके दीवाने हैं ।क्रिकेट का जन्म इंग्लैण्ड में हुआ था । इंग्लैण्ड से ही यह खेल रुलिया पहुँचा, फिर अन्य देशों में भी इसका प्रसार हुआ । यह खेल नियमानुसार सर्वप्रथम 1850 ई. में गिलफोर्ड नामक विद्‌यालय में खेला गया था । क्रिकेट का पहला टैस्ट मै1877 ई. में ऑस्ट्रेलिया के मेलबोर्न शहर में खेला गया था। भारत ने अपना पहला टेस्ट मैच इंग्लैण्ड के विरुद्ध सन् 1932में खेला था । टेस्ट मैच पाँच दिनों का होता है जो दो पारियों में खेला जाता है ।
- क्रिकेट का खेल बड़े-से अंडाकार मैदान में खेला जाता है । जीत-हार का फैसला रनों के आधार पर होता है । आरंभ में क्रिकेट को राजा-महाराजाओं या धनाढ्य लोगों का खेल कहा जाता था । वे अपने मन-बहलाव के लिए यह खेल खेला करते थे । स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हॉकी को राष्ट्रीय खेल का दर्जा दिया गया, परंतु हाँकी के साथ-साथ क्रिकेट भी लोकप्रिय होता चला गया । इस खेल में समय और धन अधिक लगता है फिर भी आज यह शहरों से लेकर गाँवों तक प्रसिद्धि पा चुका है ।
- क्रिकेट में मिली जीत से लोग खुश होकर सड़कों पर नाचने लगते हैं । यह केवल मेरा ही नहीं, मेरी तरह करोड़ों भारतवासियों का सबसे पसंदीता खेल है ।

➢ भ्रष्टाचार पर निबंध

भ्रष्टाचार यानी भ्रष्ट आचरण। गलत तरीको को अपनाकर जो व्यक्ति अनैतिक कार्यो में संलग्न हो जाता है, उसे भ्रष्टाचारी कहते है। आज पूरे भारत के व्यवस्था प्रणाली में भ्रष्टाचार ने अपनी जगह बना ली है। लोग सत्य के मार्ग पर तरक्की पाने के जगह भ्रष्ट नीतियों को अपनाते है। उदाहरण के तौर पर किसी को दफ्तर में प्रमोशन चाहिए, या नौकरी चाहिए तो वह रिश्वत देकर अपना काम करवाते है। यह न्याय व्यवस्था के खिलाफ है। आजकल की विडंबना यह है कि अगर ऐसे लोग रिश्वत लेने या देने के जुर्म में पकड़े भी जाते है, तो रिश्वत देकर छूट भी जाते है। कई दुकानदार और व्यापारी सस्ते वस्तुओं को अधिक दामों में बेचकर मुनाफा कमाते है।

आजकल लोगो को यह महसूस होता है, कि अगर वह सही रास्ता अपनाएंगे , तो उनका काम होने में सालों लग जाएंगे। आजकल की व्यस्त जिन्दगी में सबको जल्दी सफलता चाहिए और

उसे पाने के लिए लोग रिश्वतखोरी या किसी को झूठे आरापों में फंसाना जैसे कार्य करते है। बड़े-बड़े व्यापारी अनाज को आपातकालीन स्थिति में जमा कर लेते है। फिर उसे बाजार में दो गुने और तिगुने दामों में बेचते है। इससे साधारण लोगो को तकलीफो का सामना करना पड़ता है।

भ्रष्टाचार एक संक्रामक बीमारी की तरह है जो अपनी जड़े मज़बूत कर रहा है। दिन प्रतिदिन भ्रष्टाचार से संबंधित घटनाएं बढ़ रहे है। ज़्यादातर लोग बेईमानी और चोरी का रास्ता अपना रहे है। कोर्ट में झूठे गवाह पेश करके अपराधी छूट जाता है। लोग अपने प्रतिद्वंदी से बदला लेने के लिए झूठा मुकदमा करते है। लोग आजकल पैसे लेकर गलत मूलयांकन कार्ड छात्रों को पास करने के लिए बनाते है। लोगो को ब्लैकमेल करके और अवैध मांग करके उनसे जबरन अनैतिक काम करवाए जाते है।

हमारी देश की राजनितिक प्रणाली भ्रष्टाचार में लिप्त है। ज़्यादातर राजनितिक अशिक्षित है। जाहिर है अगर देश और राज्य की बागडोर अशिक्षित लोगो के हाथों में आयी, तो देश की उन्नति एक सपना मात्रा रह जाएगा। ऐसे भ्रष्ट राजनीतिज्ञ पैसा देकर लोगो से वोट करवाते है। लोगो को झूठे वादे करके अपने पक्ष में वोट डलवाते है। जैसे ही वह चुनाव जीत जाते है, भ्रष्ट राजनेता अपना असली रंग दिखा देते है।

एक भ्रष्टाचार मुक्त समाज बनाने की कोशिश साफ़ तौर पर करनी होगी। आने वाली पीढ़ी इस भ्रष्टाचार के जाल में ना फंसे। स्वार्थी और लालची लोग सम्पूर्ण देश को भ्रष्टाचार जैसे कृत्यों से बदनाम कर रहे है। हमे एक जुट होकर इस पर अंकुश लगाना होगा और राष्ट्र को इस धोखेदारी से बचाना होगा।

पत्र लेखन

* आपकी बड़ी बहन के विवाह पार अपने मित्र को आमंत्रित करते हुए पत्र लिखिए |

20/ कैलाश नगर
करोलबाग ,
दिल्ली |
दिनांक.....
प्रिय सखी
मधुरस्मृति

तुम्हें यह जानकर अति प्रसन्नता होगी कि मेरी बड़ी बहन नेहा दीदी का शुभ विवाह 10 फरवरी 2020 को होना निश्चित हुआ है। मेरी हार्दिक इच्छा है कि इस अवसर पर तुम भी यहाँ आ जाओ और कार्यक्रम में सम्मिलित हो।

पत्र के साथ मैं कार्यक्रम संबंधी पूरी जानकारी भेज रही हूँ तथा एक निमंत्रण पत्र तुम्हारे माता-पिता के लिए भी संलग्न कर रही हूँ। मेरे माता-पिता की इच्छा है कि तुम्हारे माता-पिता भी इस अवसर पर पधारकर कृतार्थ करें। पत्र के उत्तर की प्रतीक्षा में।

तुम्हारी सखी
अंशु

2) अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को अवकाश के लिए प्रार्थना-पत्र लिखिए।

सेवा में
प्रधानाचार्य
क ख ग विद्यालय
दिल्ली।

विषय – अवकाश के लिए प्रार्थना पत्र

महोदय,

निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय की आठवीं कक्षा का छात्र हैं। कल विद्यालय से आते ही मुझे बुखार आ गया, जो रात तक और बढ़ गया। डॉक्टर ने मुझे चार दिन तक चलने फिरने से मना किया है। अतः मैं विद्यालय आने में असमर्थ हूँ। कृपया मुझे 5-11..... से 9-11..... तक का अवकाश प्रदान करने की कृपा करें।

धन्यवाद
आपका आज्ञाकारी छात्र
ओजस्व
कक्षा-आठ
तिथि-4-11-2021

3) आपके जन्म दिन पर आपके मामा जी ने आपको एक सुंदर उपहार भेजा है। इस उपहार के लिए धन्यवाद एवं कृतज्ञता व्यक्त कीजिए।

जी० 501 सुंदर विहार
नई दिल्ली
दिनांक .....

पूज्य मामा जी

सादर प्रणाम

मेरे जन्म दिन पर आपके द्वारा भेजा गया बधाई संदेश तथा एक सुंदर हाथ-घड़ी का उपहार मिला। आपके द्वारा भेजा गया यह उपहार मेरे सभी मित्रों एवं सहपाठियों को भी काफ़ी पसंद आया।

मैं तो आशा कर रहा था कि इस बार आप मेरे जन्म-दिन पर स्वयं उपस्थित होकर मुझे स्नेह आशीर्वाद देंगे, परंतु किसी कारण आप न आ सके। जब आपको उपहार प्राप्त हुआ, तो मेरी सारी शिकायत दूर हो गई और आपके प्रति कृतज्ञता से भर गया। आपके द्वारा भेजा गया उपहार मुझे आपके स्नेह का स्मरण कराता रहेगा।

इतने सुंदर उपहार के लिए मैं आपका कृतज्ञ हूँ। आदरणीय मामा जी को सादर प्रणाम, ओजस्व को स्नेह।

आपका भानजा

राहुल

संवाद लेखन

1) परीक्षा के एक दिन पूर्व दो मित्रों की बातचीत का संवाद लेखन कीजिए।

अक्षर – नमस्ते विमल, कुछ परेशान से दिखते हो?

विमल – नमस्ते अक्षर, कल हमारी गणित की परीक्षा है।

अक्षर – मैंने तो पूरा पाठ्यक्रम दोहरा लिया है, और तुमने?

विमल – पाठ्यक्रम तो मैंने भी दोहरा लिया है, पर कई सवाल ऐसे हैं, जो मुझे नहीं आ रहे हैं।

अक्षर – ऐसा क्यों?

विमल – जब वे सवाल समझाए गए थे, तब बीमारी के कारण मैं स्कूल नहीं जा सका था।

अक्षर – कोई बात नहीं चलो, मैं तुम्हें समझा देता हूँ। शायद तुम्हारी समस्या हल हो जाए।

विमल – पर इससे तो तुम्हारा समय बेकार जाएगा।

अक्षर – कैसी बातें करते हो यार, अरे! तुम्हें पढ़ाते हुए मेरा दोहराने का काम स्वतः हो जाएगा। फिर, इतने दिनों की मित्रता कब काम आएगी।

विमल – पर, मैं उस अध्याय के सूत्र रट नहीं पा रहा हूँ।

अक्षर – सूत्र रटने की चीज़ नहीं, समझने की बात है। एक बार यह तो समझो कि सूत्र बना कैसे। फिर सवाल कितना भी घुमा-फिराकर आए तुम ज़रूर हल कर लोगे।

विमल – तुमने तो मेरी समस्या ही सुलझा दी। चलो अब कुछ समझा भी दो।

2) मोबाइल फ़ोन से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इस बारे में दो महिलाओं की बातचीत को संवाद रूप में लिखिए।

रजनी – अरे सरिता! कैसी हो? ।

सरिता – मैं ठीक हूँ। अरे हाँ कल बेटे का जन्मदिन ढंग से मना लिया?

रजनी – जन्मदिन तो मना लिया पर बेटा स्मार्ट फोन लेने की जिद पर अड़ा हुआ है।

सरिता – तो दिला दो न उसे एक फोन।

रजनी – सरिता, बात फोन की नहीं है। फोन लेकर वह उसी में लगा रहेगा।

सरिता – यह बात तो है। आज लगभग हर बच्चे के पास फोन मिल जाता है, पर इसका दुष्प्रभाव उनकी पढ़ाई पर हो रहा है।

रजनी – आज बच्चे पढ़ते कम हैं, फोन पर ज्यादा समय बिताते हैं।

सरिता – मैंने अपने बेटे को फोन तो दिला दिया पर वह टेस्ट में दो विषय में फेल हो गया।

रजनी – मेरी बेटी को जो पहाड़े पहले से याद थे और वह जमा-गुणा मौखिक करती थी, अब वह मोबाइल में कैलकुलेटर पर करने लगी है।

सरिता – बच्चे गेम खेलकर अपना समय खराब करें, यहाँ तक तो ठीक है पर वे मोबाइल फोन का दुरुपयोग करने लगे हैं।

रजनी – बच्चों को जागरूक कर इसे रोकना चाहिए ताकि वे पढ़ाई में मन लगाएँ। सरिता-यह ठीक रहेगा।

व्याकरण विभाग

1. भाषा कहते हैं|
   (i) भावों के आदान-प्रदान के साधन को (ii) लिखने के ढंग को
   (iii) भाषण देने की कला को (iv) इन सभी को
2. लिपि कहते हैं।
   (i) भाषा के शुद्ध प्रयोग को (ii) मौखिक भाषा को
   (iii) भाषा के लिखने की विधि को (iv) इन सभी को
3. बोलकर भाव एवं विचार व्यक्त करने वाली भाषा को ___ कहते हैं?
   (i) सांकेतिक भाषा (ii) लिखित भाषा
   (iii) मौखिक भाषा (iv) वैदिक भाषा
4. लिखित भाषा का अर्थ है
   (i) लिपि को समझना **(ii) विचारों का लिखित रूप**
   (iii) किसी के समक्ष लिखकर विचार देना (iv) विचारों को बोल-बोलकर लिखना
5. हिंदी भाषा की उत्पत्ति किस भाषा से हुई?
   (i) अंग्रेजी (ii) फ्रेंच
   (iii) उर्दू **(iv) संस्कृत**

* वाक्यों को पहचानकर उनके भेद के नाम लिखिए।

1. वाक्यों का वर्गीकरण कितने आधारों पर किया गया है**?**

(a) दो (b) तीन (c) चार (d) पाँच

2. जिन वाक्यों में एक उद्देश्य तथा एक ही विधेय होता है**,** उसे कहते हैं

(a) एकल वाक्य **(b)** सरल वाक्य (c) मिश्र वाक्य (d) संयुक्त वाक्य

3. मिश्र वाक्य कहते हैं

(a) जिनमें एक कर्ता और एक ही क्रिया होती है

(b) जिनमें एक से अधिक प्रधान उपवाक्य हों और वे संयोजक अव्यय द्वारा जुड़े हों

(c) जिनमें एक साधारण वाक्य तथा उसके अधीन दूसरा उपवाक्य हो

(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

4. जिन वाक्यों में एक-से-अधिक प्रधान उपवाक्य हों और वे संयोजक अव्यय द्वारा जुड़े हों**,** उसे कहते हैं**|**

(a) विधिवाचक (b) सरल वाक्य (c) मिश्र वाक्य (d) संयुक्त वाक्य

उत्तर : (d) संयुक्त वाक्य

5. वाक्य के गुणों में सम्मिलित नहीं है

(a) लयबद्धता (b) सार्थकता (c) क्रमबद्धता (d) आकांक्षा

उत्तर : (a) लयबद्धता

6. अर्थ के आधार पर वाक्य कितने प्रकार के होते हैं?

(a) आठ (b) दस (c) तीन (d) चार

उत्तर : (a) आठ

7. जिन वाक्यों से किसी कार्य या बात करने का बोध होता है, उन्हें कहते हैं

(a) आज्ञावाचक (b) विधानवाचक (c) इच्छावाचक (d) संकेतवाचक

उत्तर : (b) विधानवाचक

8. रचना के आधार पर वाक्य के कितने भेद हैं?

(a) चार (b) तीन ✔ (c) पाँच (d) दो

9. ''समाचार पत्र में अनोखी घटना छपी है'', इस वाक्य में विधेय क्या है? सही विकल्प पर निशान लगाएँ?

(a) घटना छपी है (b) पत्र में

(c) अनोखी घटना छपी है ✔ (d) में छपी है

10. निम्नलिखित वाक्य का अर्थ की दृष्टि से प्रकार बताइए-

'वर्षा होती, तो फसल अच्छी होती'

(a) इच्छावाचक वाक्य (b) संदेहवाचक वाक्य

(c) संकेतवाचक वाक्य ✔ (d) प्रश्नवाचक वाक्य

11. निम्न में से मिश्र वाक्य का चयन कीजिए-

(a) रोहन आम खा रहा है

(b) वह पंडित है, किन्तु हठी है

(c) आकाश में बादल गरजते है

(द) वह कौन-सा व्यक्ति है, जिसने महात्मा गाँधी का नाम न सुना हो ✔

12 'जब तक वह घर पहुँचा तब तक उसके पिताजी जा चुके थे।' वाक्य है-

(a) सरल वाक्य (b) संयुक्त वाक्य

(c) मिश्र वाक्य ✔ (d) इनमें से कोई नहीं

13. जिन वाक्य में सामान्य रूप से किसी कार्य के होने या करने का बोध होता है, उसे क्या कहते हैं?

(a) निषेधार्थक वाक्य (b) विधानार्थक वाक्य ✔

(c) आज्ञार्थक वाक्य (d) संकेतार्थक वाक्य

14. निम्न में से सरल वाक्य का चयन कीजिए-

(a) उसने कहा कि कार्यालय बंद हो गया

(b) सुबह हुई और वह आ गया

(c) राहुल धीरे-धीरे लिखता है ✔

(d) जो बडे है, उन्हें सम्मान दो

15. 'गुरुजन का सम्मान करना सीखो' किस प्रकार का वाक्य है?

(a) आज्ञार्थक ✔ (b) संकेतवाचक

(c) संदेहवाचक (d) इच्छार्थक

16. यदि हम गवाही दे दें तो काम न बन जाए' किस प्रकार का वाक्य है?

(a) इच्छावाचक (b) संकेतवाचक ✔

(c) संदेहवाचक (d) आज्ञार्थक

17. 'भगवान करे तुम्हारी नौकरी लग जाए' यह किस प्रकार का वाक्य है?

(a) इच्छावाचक ✔ (b) प्रश्नवाचक

(c) संकेतवाचक (d) विधानार्थक

18 . 'झूठ मत बोलो' यह किस प्रकार का वाक्य है?

(a) प्रश्नवाचक (b) नकारात्मक

(c) निषेधवाचक ✔ (d) विधिवाचक

19. 'सरल' या 'साधारण' वाक्य किसे कहते हैं?

(a) जो छोटा हो

(b) जिसका अर्थ सरलता से समझ में आ जाए

(c) जिसमें एक कर्ता और अनेक क्रियाएँ हो

(d) जिसमें एक उद्देश्य, एक विधेय और एक ही क्रिया हो ✔

20. मोहन बाजार जा रहा है, इस वाक्य में उद्देश्य है-

(a) मोहन ✔ (b) खरीददारी

(c) घूमना (d) बाजार

21. राम मेरा मित्र नहीं है। अर्थ के आधार पर वाक्य का प्रकार है-

(a) विधानार्थक (b) निषेधार्थक ✔

(c) प्रश्नवाचक (d) आज्ञावाचक

22 . 'अंजना रवि की बहिन है जो अशोक विहार में रहती है।' रचना के आधार पर वाक्य है-

(a) सरल (b) मिश्र ✔

(c) संयुक्त (d)इनमें से कोई नहीं

23 'तेंदुलकर ने एक ओवर में पाँच छक्के लगाए' इस वाक्य में उद्देश्य है-

(a) छक्के (b) तेंदुलकर ✔

(c) ओवर (d) पाँच

24. अर्जुन इतना वीर था कि उसे कोई हरा नहीं सका। वाक्य का उद्देश्य है-

(a) अर्जुन ✔ (b) इतना वीर था

(c) कि उसे कोई (d) हरा नहीं सका

25. निम्नलिखित में से 'इच्छार्थक' वाक्य है-

(a) सौरभ को बुलाओ (b) तुम्हारा मंगल हो ✔

(c) आज महाविद्यालय में अवकाश है (d) तुमने सुना होगा

26. 'एक गिलास पानी लाओ।' अर्थ के आधार पर वाक्य है-

(a) निषेधवाचक (b) आज्ञावाचक ✔

(c) इच्छा वाचक (d) संदेह वाचक

27. 'अब तक वह सो गया होगा।' अर्थ के आधार पर वाक्य है-

(a) आज्ञावाचक (b) इच्छावाचक

(c) संदेहवाचक ✔ (d) संकेतवाचक

28. 'अब तक वह सो गया होगा।' अर्थ के आधार पर वाक्य है-

(a) आज्ञावाचक (b) इच्छावाचक

(c) संदेहवाचक ✔ (d) संकेतवाचक

शब्द – सन्धि – विच्छेद

1- राष्ट्राध्यक्ष – राष्ट्र + अध्यक्ष
2- नयनाभिराम – नयन + अभिराम
3- युगान्तर – युग + अन्तर
4- शरणार्थी – शरण + अर्थी
5-सत्यार्थी – सत्य + अर्थी
6- दिवसावसान – दिवस + अवसान
7- प्रसंगानुकूल – प्रसंग +अनुकूल
8- विद्यानुराग – विद्या + अनुराग
9- परमावश्यक – परम + आवश्यक
10- उदयाचल – उदय + अचल
11- ग्रामांचल – ग्रामा + अंचल
12- ध्वंसावशेष – ध्वंस + अवशेष
13- हस्तान्तरण – हस्त + अन्तरण
14- परमानन्द – परम + आनन्द
15- रत्नाकर – रत्न + आकर
16- देवालय – देव + आलय
17- धर्मात्मा – धर्म + आत्मा
18- आग्नेयास्त्र – आग्नेय + अस्त्र
19- मर्मान्तक – मर्म + अन्तक
20- रामायण – राम + अयन
21-सुखानुभूति – सुख + अनुभूति
22- आज्ञानुपालन – आज्ञा + अनुपालन
23-गीतांजलि – गीत + अंजलि
24- मात्राज्ञा – मातृ + आज्ञा
25-भयाकुल – भय + आकुल

साहित्य विभाग

➢ शब्दार्थ

1) अंत: समाप्ति
2) पात: पत्ता
3) गात: शरीर
4) पुष्प: फूल
5) तंद्रालस: नींद से अलसाया हुआ
6) लालसा: लालच
7) नव: नये
8) अमृत: सुधा

9) सहर्ष: ख़ुशी के साथ
10) सींच: सिंचाई
11) लाख – लाह
12) सहन – आँगन
13) मनिहार– चूड़ी बनाने वाला
14) पैतृक – पिता सम्बन्धी
15) वास्तव – हकीकत
16) खपत – बिक्री
17) ढेरों – बहुत सारा
18) पगड़ी – पग
19) वृद्धावस्था: बुढापा
20) कष्ट: परेशानी
21) रंक : गरीब
22) निमित्त: कारण
23) जग: संसार
24) स्वच्छंद: आजाद
25) निसानी: चिन्ह
26) उर: ह्रदय
27) भार: बोझ
28) स्वयं: खुद

➢ अतिलघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 इस कहानी के लेखक कौन हैं?

उत्तर - इस कहानी के लेखक कामतानाथ जी हैं।

प्रश्न-2 रज्जो कौन थी?

उत्तर - रज्जो बदलू की बेटी थी।

प्रश्न-3 लेखक ने पाठ में अपना क्या नाम बताया है?

उत्तर - लेखक ने पाठ में अपना नाम जनार्दन बताया है।

प्रश्न-4 बदलू को संसार में किस चीज़ से चीढ़ थी?

उत्तर - बदलू को संसार में सबसे ज़्यादा काँच की चूड़ियों से चीढ़ थी।

प्रश्न- 5 बदलू का स्वभाव कैसा था?

उत्तर - बदलू का स्वभाव बहुत सीधा था क्योंकि लेखक ने कभी भी उसे झगड़ते नहीं देखा था।

प्रश्न-6 बदलू अपना कार्य किस चीज़ पर बैठ कर करता था?

उत्तर - बदलू अपना कार्य एक मचिये पर बैठ कर करता था जो की बहुत पुरानी थी।

प्रश्न-7 गाँव में लेखक का दोपहर का समय अधिकतर कहाँ बीतता?

उत्तर - गाँव में लेखक का दोपहर का समय अधिकतर बदलू के पास बीतता।

प्रश्न-8 बदलू कौन था?

उत्तर - बदलू एक मनिहार था। चूड़ियाँ बनाना उसका पैतृक पेशा था और वास्तव में वह बहुत ही सुंदर चूड़ियाँ बनता था।

प्रश्न-9 लेखक को क्या देखकर लगा कि बस इसमें गोता लगाएगी?

उत्तर - झील

प्रश्न-10 लेखक ने बस को कैसी अवस्था में बताया?

उत्तर – वृद्धावस्था

प्रश्न-11 लेखक और उसके मित्र कुल कितने सदस्य थे, जिन्हें बस की यात्रा करनी थी?

उत्तर – पाँच

प्रश्न-12 पाठ 'बस की यात्रा' के लेखक कौन हैं?

उत्तर – पाठ 'बस की यात्रा' के लेखक हरिशंकर परसाई जी हैं।

प्रश्न-13 पहली बार बस किस कारण रुकी?

उत्तर - पेट्रोल की टंकी में छेद होने के कारण पहली बार बस रुकी।

प्रश्न-14 कंपनी के हिस्सेदार ने बस के लिए क्या कहा?

उत्तर - कंपनी के हिस्सेदार ने बस के लिए कहा - बस तो फर्स्ट क्लास है जी !

प्रश्न-15 कवि सुख और दुःख को किस भाव से ग्रहण करता है?

उत्तर – कवि सुख और दुःख को समान भाव से ग्रहण करता है।

प्रश्न-16 कवि किस बात के लिए संघर्षरत रहता है?

उत्तर - कवि समाज की भलाई के लिए हमेशा संघर्षरत रहता है।

प्रश्न-17 कवि सुख - दुःख की भावना से निर्लिप्त क्यों है?

उत्तर - कवि सुख - दुःख की भावना से इसलिए निर्लिप्त है क्योंकि वह सुख और दुःख को समान भाव से देखता है।

प्रश्न-18 कवि किन बंधनों को तोड़ने की बात कर रहा है?

उत्तर - कवि समाज में व्याप्त बुराइयों, रूढ़िग्रस्त रीती - रिवाज़ों के परंपरागत बंधनों को तोड़ने की बात कह रहा है।

भारत की खोज

पाठ -1 अहमदनगर का किल्ला

* प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

1) नेहरुजी की यह कौन -सी जेल यात्रा थी ?

- नेहरुजी की यह नौवीं जेल यात्रा थी |

2) अहमद नगर के किल्ले में रहते हुए नेहरुजी ने कौन -सा कार्य आरंभ कर दिया ?

- अहमद नगर के किल्ले में रहते हुए नेहरुजी ने बागबानी करने का कार्य आरंभ कर दिया |

3) नेहरुजी का कितना समय बागबानी में बीतता था?

- नेहरुजी कई घंटो तक बागबानी का कार्य करते थे |

4) अहमदनगर के किल्ले के साथ जुड़ी हुई किस ऐतिहासिक घटना का जिक्र है ?

- अहमदनगर के किल्ले से जुड़ी चाँद बीबी नामक साहसी महिला की कहानी का जिक्र है |

5) नेहरुजी ने कुदाल छोड़कर कलम क्यों उठा ली ?

- जेल के अधिकारी आगे बढ़ने की अनुमति नहीं देते थे , इसलिए नेहरुजी ने कुदाल छोड़कर कलम उठा ली |

6) गेटे ने इतिहास लेखन के बारे में क्या कहा था ?

- गेटे के अनुसार – " ऐसा इतिहास -लेखन अतीत के भारी बोझ से किसी सीमा तक राहत दिलाता है "|

7) नेहरुजी ने अपनी विरासत किसे माना है ?

- विषय की कठिनता और जटिलता को नेहरुजी ने अपनी विरासत माना है |

8) " भारत की खोज " पुस्तक नेहरुजी ने कब और कहाँ लिखी थी ?

- " भारत की खोज " पुस्तक नेहरुजी ने 13 अप्रैल , 1944 में लिखी थी |

9) अहमद नगर के किल्ले की मिट्टी कैसी थी और इसको किसने उपजाऊ बना दिया ?

- अहमद नगर के किल्ले की मिट्टी बहुत खराब थी – पथरीली और पुराने मलबे और अवशेषो से भरी हुई |

10) बागबानी के लिए खुदाई करते समय नेहरुजी को क्या मिला ?

- बागबानी के लिए खुदाई करते समय प्राचीन दीवारों के हिस्से और इमारतों के ऊपरी हिस्से मिले |

11) इस किल्ले की रक्षा के लिए किसने किसके विरुद्ध अपनी सेना का नेतृत्व किया ?

- इस किल्ले की रक्षा के लिए चाँद बीबी नाम की एक महिला ने अकबर की शाही सेना का विरुद्ध किया |

पाठ– 2 तलाश

* प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

1) नेहरू जी के मन में भारत के विषय में कौन -कौन से प्रश्न उठते थे ?

- वे सोचते थे कि आखिर यह भारत है क्या ? वह शक्ति कैसे खोता गया ? यह विश्व से अपना तालमेल किस रूप में बैठता है ? ये सारे प्रश्न नेहरू जी के मन में उठते थे |

2) हिमालय के हृदय से कौन -कौन सी नदियाँ निकली हैं ?

- हिमालय के हृदय से गंगा , यमुना , सिंधु , ब्रह्मपुत्र जैसी नदियाँ निकली है |

3) नेहरू जी ने भारत को किस दृष्टि से देखना शुरू किया ?

- नेहरू जी ने भारत को एक आलोचक कि दृष्टि से देखना शुरू किया |

4) गंगा-यमुना के विषय में नेहरू जी ने क्या लिखा है ?

- गंगा-यमुना के विषय में नेहरू जी ने इतिहास के आरंभ से ही भारत के हृदय पर राज किया है और लाखों की तादाद में लोगों को अपने तटों की ओर खींचा है |

5) नेहरू जी ने सिंधु घाटी-स्भ्यता के विषय में क्या कहा है ?

- नेहरू जी ने सिंधु घाटी सभ्यता के विषय में कहा है कि यह सभ्यता एवं संस्कृति पाँच -छ हजार या उससे भी अधिक समय तक परिवर्तनशील रहकर विकासमान रही और यह निरंतर कायम रही |

6) मोहजोदड़ो की सभ्यता कितने वर्ष पुरानी है?

(a) 3000 वर्ष **(b) 5000 वर्ष**

(c) 6000 वर्ष (d) 4000 वर्ष

7) सिंधु नदी का दूसरा नाम है?

(a) इंडस (b) इंडिया

(c) इंदु (d) इंद्रनील

8) एशिया की शक्ति कम होने पर कौन-सा द्वीप आगे बढ़ा?

(a) यूरोप (b) संयुक्त राज्य अमेरिका

(c) इंग्लैंड (d) इंडोनेशिया

9) भारत का कौन-सा वर्ग इस समय बदलाव की कामना करता था?

(a) निम्न वर्ग **(b)** मध्यम वर्ग

(c) उच्च वर्ग (d) शासक वर्ग

10) भारत का नाम किसके नाम पर पड़ा?

(a) राजा भारत **(b)** राजा भरत

(c) भरतमुनि (d) भारद्वाज

➢ लघु प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

प्रश्न-1 'हम स्वंय बँधे थे और स्वंय हम अपने बंधन तोड़ चले' - पंक्ति का अर्थ बताइए।

उत्तर - कवि स्वंय सांसारिक बंधनों से बंधकरआया था परन्तु वह अब सांसारिकता के सभी बंधनों को अपनी इच्छा से तोड़कर स्वच्छंद जीना चाहता है।

प्रश्न-2 कवि ने अपने आप को दीवाना क्यों कहा है?

उत्तर- कवि ने अपने आप को दीवाना इसलिए कहा है क्योंकि वह मस्तमौला है। उसे किसी बात की फिक्र नहीं है। वह अपनी मस्ती में ही बिना किसी मंज़िल के आगे बढ़ा चला जा रहा है।

प्रश्न-3 कवि ने अपने जीवन को मस्त क्यों कहा है?

उत्तर - कवि को दुनिया की कोई परवाह नहीं है। न उसे किसी बात का दुःख है और ना ही किसी बात की खुशी। उसका रुकने का कोई निश्चित स्थान नहीं है। यही कारण है की कवि ने अपने जीवन को मस्त कहा है।

प्रश्न-4 विदा करने आए लोगों की प्रतिक्रिया देखकर लेखक को कैसा लगा?

उत्तर - विदा करने आए लोगों की प्रतिक्रिया देखकर लेखक को लगा कि जैसे वह मरने के लिए जा रहा हो और लोग उसे अंतिम विदाई देने आए हों।

प्रश्न-5 आशय स्पष्ट कीजिए -'आदमी को कूच करने के लिए एक निमित्त चाहिए।'

उत्तर – इस कथन का आशय यह है कि मनुष्य को इस संसार को त्यागने अर्थात मरने के लिए एक साधन की आवश्यकता होती है। यहाँ वह साधन बस है जिसमें कि लेखक और उसके मित्र यात्रा कर रहे हैं।

प्रश्न-6 लेखक की चिंता क्यों जाती रही?

उत्तर – बस में जब पहली बार खराबी आई तो लेखक को चिंता हुई, पर जब खटारा बस में एक के बाद एक समस्या उत्पन्न होती गई तो अंत में लेखक ने समय से पन्ना पहुँचने की

उम्मीद छोड़ दी और परिस्थिति से समझौता कर लिया। इसलिए लेखक की चिंता जाती रही।

प्रश्न-7 लेखक जब आठ - दस वर्षों के बाद मामा के गाँव गया तो उसने क्या परिवर्तन देखा?

उत्तर - लेखक जब आठ - दस वर्षों के बाद मामा के गाँव गया तो उसने देखा कि गाँव में लगभग सभी स्त्रियाँ काँच की चूड़ियाँ पहने थीं।

प्रश्न-8 विवाह के अवसर पर बदलू को क्या - क्या मिलता था?

उत्तर - विवाह में उसके बनाए गए सुहाग के जोड़े का मूल्य इतना बढ़ जाता था कि उसके लिए उसकी घरवाली को सारे वस्त्र मिलते, ढेरों अनाज मिलता, उसको अपने लिए पगड़ी मिलती और रूपये मिलते।

प्रश्न-9 अभी न होगा मेरा अंत' कवि ने ऐसा क्यों कहा?

उत्तर - 'अभी न होगा मेरा अंत' कवि ने ऐसा इसलिए कहा है, क्योंकि वे बताना चाहते हैं कि अभी अंत नहीं होने वाला है। अभी अभी तो वसंत का आगमन हुआ है जिससे उसका जीवन खुशियों से भर गया है। वह उमंग से भरा हुआ है।

प्रश्न-10 कवि पर वसंत का क्या प्रभाव दिखाई देता है?

उत्तर - वसंत के आगमन पर पेड़ों पर नए-नए, हरे-हरे पत्ते निकल आते हैं। नई-नई डालियाँ निकल आती हैं जिन पर कोमल कलियाँ निकल आती हैं जिससे कवि का जीवन खुशियों से भर गया है। कवि उमंग से भरा हुआ है।

➢ दीर्घ प्रश्नों के उत्तर लिखिए |

1) वसंत को ऋतुराज क्यों कहा जाता है?

उत्तर- वसंत को ऋतुराज कहा जाता है क्योंकि यह सभी ऋतुओं का राजा है। इस ऋतु में प्रकृति पूरे यौवन होती है। इस ऋतु के आने पर सर्दी कम हो जाती है। मौसम सुहावना हो जाता है। पेड़ों में नए पत्ते आने लगते हैं। आम बौरों से लद जाते हैं और खेत सरसों के फूलों से भरे पीले दिखाई देते हैं। सरसों के पीले फूल ऋतुराज के आगमन की घोषणा करते हैं। खेतों में फूली हुई सरसों, पवन के झोंकों से हिलती, ऐसी दिखाई देती है, मानो, सामने सोने का सागर लहरा रहा हो। कोयल पंचम स्वर में गाती है और सभी को कुहू-कुहू की आवाज़ से मंत्रमुग्ध करती है।

प्रश्न-2 मशीनी युग से बदलू के जीवन में क्या बदलाव आया?

उत्तर - मशीनी युग के कारण बदलू का सुखी जीवन दुःख में बदल गया था। गाँव की सभी स्त्रियाँ काँच की चूड़ियाँ पहनने लगी थी। बदलू की कला को अब कोई महत्व नहीं देता था। उसकी चूड़ियों की माँग अब नहीं रही थी। उसका व्यवसाय ठप पड़ गया था। शादी ब्याह से मिलने वाला अनाज, कपडे तथा अन्य उपहार उसे अब नहीं मिलते थे। उसकी आर्थिक हालत बिगड़ गई जिससे उसके स्वास्थ पर भी बुरा असर पड़ा।

प्रश्न- 3 सविनय अवज्ञा का उपयोग व्यंग्यकार ने किस रूप में किया है?

उत्तर - 'सविनय अवज्ञा आंदोलन' १९३० में सरकारी आदेशों का पालन न करने के लिए किया था। इसमें अंग्रेज़ी सरकार के साथ सहयोग न करने की भावना थी। लेखक ने 'सविनय अवज्ञा' का उपयोग बस के सन्दर्भ में किया है। वह इस प्रतीकात्मक भाषा के माध्यम से यह बताना चाह रहा है कि बस विनय पूर्वक अपने मालिक व यात्रियों से उसे स्वतंत्र करने का अनुरोध कर रही है।

प्रश्न-4 कवि ने अपने आने को 'उल्लास' और जाने को 'आँसू बनकर बह जाना' क्यों कहा है?

उत्तर - कवि ने अपने आने को 'उल्लास' इसलिए कहा है क्योंकि उसके आने पर लोगों में जोश तथा ख़ुशी का संचार होता है। कवि लोगों में खुशियाँ बाटता है। इसी कारण लोगों के मन प्रसन्न हो जाते हैं। पर जब वह उस स्थान को छोड़ कर आगे जाता है तब उसे तथा वहाँ के लोगों को दुःख होता है। विदाई के क्षणों में उनकी आँखों से आँसू बह निकलते हैं।